



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 8-2022] CHANDIGARH, TUESDAY, FEBRUARY 22, 2022 (PHALGUNA 3, 1943 SAKA)

General Review

सिंचाई तथा जल संसाधन विभाग, हरियाणा की वर्ष 2018-19 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 18 फरवरी, 2022

क्रमांक 27/1/2020-4 सि०(कार्य).—

हरियाणा भारत देश का एक छोटा राज्य है जो कि 1 नवम्बर, 1966 को पंजाब के विभाजन पर बना था। यह देश के उत्तर पश्चिम में स्थित है और इसका भौगोलिक क्षेत्र 44,212 वर्ग किलोमीटर और कृषि योग्य क्षेत्रफल 3.9 मिलियन हैक्टेयर है। राज्य का उत्तरी हिस्सा शिवालिक की पहाड़ियों से घिरा हुआ है और पूर्व में यमुना नदी है। दक्षिण में दिल्ली व अरावली की पर्वत माला है और दक्षिण पश्चिम में राजस्थान का मरुस्थल है। उत्तर पश्चिम में पंजाब की सीमा के साथ-साथ घग्गर नदी है। राज्य इन्दस बेसिन व गंगा के मध्य (घग्गर व यमुना नदी के मध्य) में है व इसकी स्थिति उत्तरी मैदानी क्षेत्र में लम्बाई में 74 डिग्री से 78 डिग्री पूर्व व कोणात्मक दृष्टि में 27 डिग्री से 31 डिग्री उत्तर में है।

वर्तमान में उपलब्ध पानी की 85 प्रतिशत मात्रा का उपयोग कृषि क्षेत्र में किया जाता है। राज्य में अधिकांश खाद्य सामग्री की फसलों को उगाया जाता है और उगाये गये अनाज की मात्रा भारतीय राष्ट्रीय औसत की अपेक्षा 30-40 प्रतिशत अधिक है। सरकार सिंचाई व जल निकासी के कार्यों को अत्यधिक प्राथमिकता प्रदान करती है और इस क्षेत्र में साल 2018-19 दौरान 2548.44 करोड़ रु खर्च किए हैं। तदनुसार राज्य के कृषि योग्य क्षेत्र के 75 प्रतिशत क्षेत्र को नहरों द्वारा सिंचित किया जाता है। सिंचाई संघनता मात्र 78.5 प्रतिशत है जो कि सिंचाई प्रणाली के लिए पानी की सीमित उपलब्धता को दर्शाता है।

राज्य में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने के लिए बड़ी व मध्यम सिंचाई परियोजनाओं (मेजर एण्ड मिडियम इरिगेशन प्रोजेक्ट्स) को प्राथमिकता दी जाती है, जिसके परिणाम स्वरूप वर्ष 2018-19 के दौरान हरियाणा के 23.59 लाख हैक्टेयर व दिल्ली के 0.11 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को नहरों द्वारा सिंचित किया गया।

नहरी व जल निकास नेटवर्क के चलाने व उसके रख रखाव के लिए हरियाणा सिंचाई विभाग जिम्मेवार है। इसके अतिरिक्त विभिन्न जल संसाधन परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करना है और जल मार्गों को पक्का करने व कमान क्षेत्र में विकास के अन्य कार्यों को करने के लिए कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण (काडा) इस विभाग का सहभागी है। इस विभाग को हरियाणा सिंचाई अनुसंधान प्रबन्धन संस्थान (हिरमी) प्रशिक्षण व अनुसंधान केन्द्र के रूप में सहभागी है।

दिनांक 29 अप्रैल, 2020.

देवेन्द्र सिंह,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
सिंचाई तथा जल संसाधन विभाग, चंडीगढ़।

**REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF IRRIGATION & WATER RESOURCES
DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2018-19**

The 18th February, 2022

No. 27/1/2020-47(Works).—

Haryana a State of the Union of India was carved out of the composite State of Punjab on November 1st, 1966. It is situated in the North West of the country and covers a geographical area of 44,212 square kilometers and culturable area of 3.9 million hectares. The State in North is bounded by Shivalik range of mountains and in the East by River Yamuna. In South it surrounded with Delhi and Aravali range and Desert of Rajasthan is existing on South West. In North West, the River Ghaggar forms part of the boundary with Punjab State. Haryana State is falling under the basins of Indus and Ganges (between River Ghaggar and Yamuna) and is located in the Northern plain between longitude 74 degree to 78 degree East and Latitude 27 degree to 31 degree North.

Agriculture is major water using sector utilizing about 85% of the available supplies. Yields of most of the major crops are high and average food grain yields are 30-40% higher than the Indian national average. This government places top most priority to improve Irrigation and Drainage system and a sum of Rs. 2548.44 crores incurred during 2018-19 for the same. Consequently, about 75% of the State's arable Lands are served by Irrigation canals. However, the Canal Irrigation intensity is about 78.5% reflecting to the limited availability of canal water supplies.

In the State, priority has been given to major and medium Irrigation projects to increase the irrigation facilities as a result of which 23.59 lakh hectares of land of Haryana and 0.11 Lakh hectares of land of Delhi area was irrigated during the year 2018-19.

Haryana Irrigation & Water Resources Department is primarily responsible for Operation & Maintenance of Canal and Drainage network besides looking after planning, design & construction of various Water Resource Projects. Department is supported by Command Area Development Authority (CADA) by taking up the construction of unlined water courses in addition to other command area Development activities. It is also supported by Haryana Irrigation Research Management Institute (HIRMI) which caters as a Training and Research Centre.

The 29th April, 2020.

DEVENDER SINGH,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Irrigation & Water Resources Department, Chandigarh.